# जोड़बीड़ में लम्पी से मरी गायों का ढेर, देर रात दफनाता रहा प्रशासन

## राजस्थान में लम्पी से गायों की मौतों का आंकड़ा बढ़ रहा हैं

**बीकानेर,** (कासं)। राजस्थान में लम्पी से गायों की मौतों का आंकड़ा बढ़ ता जा रहा है। हर जिले में लाशों के ढेर लगे हैं। उधर प्रशासन अब मौतों के आंकड़ों को छिपाने भी लग गया है। इधर, बीकानेर में गायों की लाशों के ढेर का वीडियो और फोटो सामने आने के बाद अधिकारी भी हरकत में आ गए। यह दावा किया गया कि यह गिद्द संरक्षण एरिया है और यहां दूसरी गायों मृत गायों के शव को फेंका जाता है।

लेकिन, इसकी हकीकत जानने टीम देर रात इस जोड़बीड़ एरिया में पहुंची तो हकीकत कुछ और ही थी। प्रशासन और नगर निगम जिसे सामान्य गाय बता रहा था, वहां लंपी से संक्रमित मृत गायों के ढे`र पड़े थे। देर रात तक नगर निगम जेसीबी से गड्ढ़े खोद इन्हें दफनाता रहा। टीम जब मौके पर पहुंची तो गेट बंद कर दिए गए। इस दौरान कुछ स्थानीय नेता भी पहुंचे लेकिन उन्हें भी एंट्री नहीं दी गई।

दरअसल, पिछले कई दिनों से लंपी रोग से ग्रसित गायों को जोड़बीड़ में फेंका जा रहा था। । ऐसे में पूरे जोड़बीड़ एरिया में हजारों की संख्या में मृत गायें दिखने लगी। इसके वीडियो और फोटो सामने आने के बाद प्रशासन पर भी सवाल उठे। इसके बाद जिला प्रशासन इस पूरे मामले को दबाने में जुट गया। नगर निगम आयुक्त ने पहले ये बयान दिया कि लंपी पीड़ित गायों को यहां नहीं दफनाया जा रहा है। लेकिन, देर रात बाद निगम की ओर से इसी जोड़बीड़ में ही गड्ढे खोदकर गायों को दफनाना शुरू कर दिया। जेसीबी मशीनों को एक साथ गड्ढे खोदने के लिए लगाया गया। एक-एक करके मृत गायों को जेसीबी से उठा गड्ढ़ों में दफन कर दिया गया।

उधर, प्रशासन ने दावा किया है कि जोड़बीड़ में सिर्फ उन्हीं गायों के शव डाले गए हैं, जो लंपी वायरस के कारण नहीं मरी है। यहां हमेशा से पशुओं व जानवरों के शव डाले जाते रहे हैं, क्योंकि ये गिद्ध संरक्षण क्षेत्र है। अब सवाल ये उठ रहा है कि लंपी पीड़ित गायें यहां डाली ही नहीं गई तो अब वहां पड़ी गायों को गड्ढ़े खोदकर क्यों दफनाया जा रहा है।

प्रशासन के दावे की हकीकत जानने जब टीम पहुंची तो तस्वीर कुछ और ही नजर आई। यहां जगह-जगह संक्रमित मृत गायों के ढे`र पड़े थे। देर रात तक इन्हें दफनाने का सिलसिला जारी रहा। यहां अंदर जाना चाहा तो जोड़बीड़ में मौजूद गार्ड ने रोक दिया। जब इस मसले पर आयुक्त गोपालराम बिरदा से बातचीत की तो एंट्री दी गई। तब सामने आया कि यहां एक नहीं बल्कि 5 से 7 जेसीबी को गायों को दफनाने के लिए लगाया हुआ था।

# जलदाय विभाग के कर्मचारियों को पेड़ से बांधा

## सरपंच ने वाटर सप्लाई के पैसे लेना व महिलाओं पर गंदी नजर रखने का आरोप लगाया

**अलवर,** (निसं)। उमरैण के भूगोर गांव वालों ने जलदाय विभाग के 3 कर्मचारियों को पीपल के पेड़ से बांध दिया। आरोप लगाया कि वाटर सप्लाई पैसे लेकर की जाती है और महिलाओं से अभद्र भाषा में बात की जाती है। पंप हाउस पर शराब पी जाती है। पेड से बंधे मुंशी ने मोबाइल फोन से जेईएन को सूचित किया तब तीनों कर्मचारी बंधन मुक्त हुए। यहां जलदाय विभाग के तहत संचालित भूगोर गांव के पंप हाउस पर गांव वालों ने सुबह 9 बजे धावा बोल दिया। वहां पंप चालक उपेंद्र व जीतराम मौजूद थे। गांव के लोगों में महिलाएं भी शामिल थी। शोर शराबा सुनकर उपेंद्र व जीतराम बाहर आए तो तो ग्रामीणों ने उन्हें पकड़ लिया और वहीं एक पेड़ के तने से बांध दिया।

वाटर सप्लाई के पैसे लेने के आरोपियों को ग्रामीणों ने पेड़ से बांधा।

भूगोर गांव की एक महिला ने आरोप लगाया कि पंप कर्मचारी उपेंद्र अभी भी नशे में है, वह नशे में रहता है। पडौस के जलदाय दफ्तर से जब कर्मचारी राजेंद्र गांव वालों को समझाने पहुंचा तो उसे भी बांध दिया गया। इस दौरान उपेंद्र रस्सी खोलकर बाहर खड़ा हो गया। भूगोर सरपंच कैलाश मीणा ने कहा कि गांव वाले गुस्से में हैं। पंप के कर्मचारियों ने अति कर रखी है। रात में महिलाएं अगर पानी सप्लाई के लिए फोन करती हैं तो पंप चालक महिलाओं को गालियां निकालते हैं। कहते हैं- यहां आओ टंकी पर तब पानी देंगे। सरपंच ने कहा कि शराब पीकर ऐसी बातें करने का क्या मकसद है। गांव वालों से ये शराब के पैसे मांगते हैं, नॉनवेज के लिए पैसे मांगते हैं, पानी का कोई शेड्यूल नहीं, जो पैसे दे देता है उसके लिए रात को 1 बजे भी पानी सप्लाई कर दिया जाता है। बिल वालों को पानी नहीं मिल रहा। एक महीने से परेशान कर रखा है। उपेंद्र यहां का इंचार्ज है। वही यह सब कर रहा है। जीतराम नया लगा है।

सरपंच कैलाश मीणा ने कहा कि इन्हें इसलिए बांधा है ताकि अफसरों तक बात जाए। करीब 20 मिनट तक पंप इंचार्ज उपेंद्र व पंप चालक जीतराम पेड के तने से बंधे रहे। बाद में करीब 9.45 बजे जेईएन मौके पर पहुंचे और जीतराम व राजेंद्र को मुक्त कराया। उन्होंने सरपंच व गांव वालों को आश्वासन दिया कि वे पंप चालकों व कर्मचारियों के व्यवहार की जांच कराएंगे और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई करेंगे। फिलहाल इस मामले में किसी पक्ष ने पुलिस में शिकायत नहीं की है।

जलदाय विभाग के जेईएन सीताराम ने कहा कि भूगोर पंप हाउस के कर्मचारियों पर ग्रामीणों ने पैसे लेकर वाटर सप्लाई करने के आरोप लगाए हैं। कर्मचारी उपेंद्र पर शराब पीकर ड्यूटी करने के आरोप हैं। दोनों मामलों की जांच कराएंगे।

# जगदीप धनखड़ उपराष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार आए अपने गांव 'किठाना'

## बोले-किठाना मेरे दिल में है, में जो कुछ भी हूं किठाना की वजह से हूं

**चिड़ावा/झुंझुनूं,** (निसं)। देश के उपराष्ट्रपति और के किठाना गांव में जन्में जगदीप धनखड़ बुधवार को अपने गांव किठाना पहुंचे। वे उपराष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार अपने गांव पहुंचे थे। यहां हैलीकॉप्टर से सपरिवार पहुंचे धनखड़ का जिले की प्रभारी मंत्री ममता भूपेश ने स्वागत किया। अपने संबोधन में धनखड़ ने कहा कि जिस गांव में जन्म लिया, जहां नींव बनी, वहां भाषण देना बहुत मुश्किल है।

उन्होंने राजस्थानी अंदाज में महिला सशक्तिकरण पर स्थानीय भाषा में कहा कि- सो क्यूं बदळ ग्यो। यो बदलाव देश में ऊपर ताणी ह। उनका ईशारा मंच पर बैठी नारी शक्ति धर्मपत्नी डॉ. सुदेश धनखड़, प्रभारी मंत्री ममता भूपेश, जिला प्रमुख हर्षिनी कुल्हरी, चिड़ावा प्रधान इंदिरा डूडी, सरपंच सुभीता की तरफ था। उन्होंने कहा कि आज देश में राष्ट्रपति पद को भी महिला सुशोभित कर रही हैं। उन्होंने अपने बचपन को याद करते हुए कहा कि छठी कक्षा के बाद लंबी दूरी तय करके स्कूल जाना पड़ता था। लेकिन आपके आशीर्वाद से इस मुकाम पर पहुंचा हूं।

देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ (बीच में) का किठाना गांव में स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि देश में हालात बेहतर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई दिन ऐसा नहीं गया है जब किसान, गरीब, अजा-अजजा के व्यक्ति की और किठाना गांव की बात मेरे दिल में ना हो। उन्होंने कहा कि मैं इस मिट्टी को नमन करता हूं, मैं इसी मिट्टी का लाल हूं। जो कुछ भी हुआ उसका एक ही कारण है- शिक्षा। धनखड़ यदि उन्हें सैनिक स्कूल में स्कॉलरशिप नहीं मिली होती, तो हालात कुछ और होते। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा जोर पढ़ाई पर दीजिए। धनखड़ ने कहा कि बच्चों पर तनाव मत डालें, उन्हें जो वे करना चाहें, करने दीजिए। उन्होंने कहा कि आज जो लोग उद्योग, व्यापार में आगे बढ़ रहे हैं, उनमें से अधिकांश साधारण पृष्ठभूमि से हैं।

धनखड़ ने मौजूद जनसमूह को प्रेरित करते हुए कहा कि अपनी प्रतिभा को उजागर करें। गांव के बालक-बालिकाएं शुरु में हिचकिचाते हैं, लेकिन कुछ समय बाद सबकुछ उनकी मुट्ठी में होता है। उन्होंने कहा कि किठाना गांव मेरे दिल में बसता है। मैं जो कुछ हूं किठाना गांव की बदौलत हूं। किठाना गांव के पराक्रम और बुजूर्गों के आशीर्वाद की बदौलत यहां तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि बदलते भारत के हिस्से के रूप में मैं किठाना को देखना चाहता हूं। जिसमें सभी लोग गैर राजनैतिक चश्में से देखते हुए मेरी इस परिकल्पना में साथ दें। यहां के विकास और शिक्षा में कोई कमी नहीं रहने दूंगा। उन्होंने अपने दिल का दर्द भी ठामीणों के साथ साझा किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से उनकी गाड़ी के शीशे नीचे नहीं होते। वरना उन्हें भी अच्छा लगता है कि वे शीशे उतारकर सभी से मिले। सभी का अभिवादन करें। यही नहीं उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि वे मुझे सूचना देकर कभी भी मिलने आए और कितनी भी संख्या में आए। क्योंकि सुरक्षा की दृष्टि से ही पहले अपाइंटमेंट का सिस्टम है। इसलिए उसे समझे। यह मुझे भी समस्या लगती है। लेकिन सुरक्षा के लिए अपनाए गए सिस्टम में मैं सहयोग दूंगा तो सभी मेरा भी सहयोग करें।

## तालाब में डूबने से बालक की मौत

**बामनवास,** (निसं.)। थाना क्षेत्र के कोयला ग्राम में गुरुवार को तालाब में नहा रहा युवक कुलदीप अचानक डूबने के बाद लापता हो गया, वहीं दूसरी ओर पिपलाई गांव में भी गहरे पानी में डूबने से बालक की मौत हो गई। युवक के डूबने की सूचना के बाद पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे एवं तालाब में डूबे युवक को तालाब से निकालने की कोशिश की, लेकिन तालाब में काफी प्रयास के बाद भी युवक का कोई सुराग नहीं मिलने पर जिले से एसडीआरएफ की टीम को बुलाया। एसडीआरएफ की टीम ने गुरुवार देर रात तक तालाब में डूबे युवक को काफी तलाश किया पर कोई सुराग नहीं मिल पाया। बामनवास थाना अधिकारी बृजेश कुमार मीणा ने भी पुलिस कर्मियों के साथ काफी प्रयास किया । पुलिस उपाधीक्षक तेज कुमार पाठक ने बताया कि कोयला गांव के एक तालाब में युवक कुलदीप नहा रहा था। नहाते हुए युवक तालाब के अंदर चला गया। जिस समय तालाब में युवक डूबा था उस समय युवक के परिजन वहीं मौजूद थे। युवक का रेस्क्यू कार्य देर रात होने के कारण स्थगित किया। युवक को तालाब से ढूंढने का कार्य शुक्रवार सुबह फिर से शुरू किया जाएगा। दूसरी ओर के पिपलाई ग्राम में भी एक बालक के डूबने के कारण उसकी मौत हो गई, जहां पुलिस प्रशासन ने युवक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द किया।

# यहां नाग से खेलते हैं गणपति

**श्रीगंगानगर,** (निसं.)। आप ने अब तक गले में नाग डाले महादेव के बारे में तो सुना होगा, दर्शन भी किए होंगे, लेकिन श्रीगंगानगर में हैं एक ऐसे गणपति जो नाग से खेलते हैं। जी हां, उनकी ऐसी प्रतिमा श्रीगंगानगर के पुरानी आबादी स्थित शिवगणेश मंदिर में है, जहां वे नाग देवता से खेलते नजर आते हैं। मंदिर में गणपति का सिद्धि विनायक स्वरूप है। मान्यता है कि मंदिर में स्थापित गणपति की प्रतिमा गणेश जी के बाल्यकाल की कथा पर आधारित है। यहां आने वाले भक्तों का भी मानना है कि गणपति के इस बाल स्वरूप के दर्शन करके उनकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

■ शिव गणेश मंदिर में है गणपति का सिद्धि विनायक स्वरूप, दाई तरफ सूंड वाले हैं गणपति

मंदिर में जो गणपति स्थापित हैं उनकी कमर पर सांप लिपटा है। यह सांप उनकी छाती तक लगा हुआ है। इस बारे में पुजारी देवेंद्र भारद्वाज बताते हैं कि मंदिर में स्थापित प्रतिमा के साथ एक कथा जुड़ी हुई है। इस कथा के अनुसार एक बार बचपन में गणपति को खेलते हुए महादेव के गले में लिपटा नाग परेशान कर रहा था। गणपति ने कुछ देर तो नागदेवता की छेड़छाड़ सहन की लेकिन बाद में उन्हें अपनी कमर पर ही बांध लिया। उसी किस्से को दर्शाते हुए मंदिर में प्रतिमा स्थापित की गई क्योंकि मंदिर का नाम ही शिव गणेश मंदिर है, ऐसे में यहां प्रतिमा भी ऐसी स्थापित की गई जो गणपति और उनके पिता महादेव के जीवन से जुड़ी है।

भारद्वाज बताते हैं कि आम तौर पर मनोकामनाएं पूरी करने वाला गणपति का स्वरूप सिद्धि विनायक माना जाता है। गणपति के इस स्वरूप की विशेषता इनकी सूंड दाई होना मानी जाती है। आम तौर पर गणपति की सूंड बाईं तरफ होती है। इस प्रतिमा की खासीयत यह है कि यहां प्रतिमा दाईं तरफ है। मंदिर की स्थापना 33 साल पहले हुई। उस समय यहां शिव मंदिर स्थापित किया जाना था लेकिन बाद में महादेव और गणपति दोनों के स्वरूप स्थापित हुए। मंदिर में गणपति के स्वरूप की स्थापना इलाके में ही रहने वाले वाले रामदयाल सेतिया की याद में उनकी पत्नी शांति देवी और बेटों ने करवाई।

# लम्पी वायरस की रोकथाम को लेकर प्रदर्शन

**डूंगरपुर,** (निसं)। राजस्थान में पिछले 3 महीने से लम्पी वायरस ने गौ माताओं पर कहर बरपा रखा है। इस जान लेवा वायरस से अब तक 1 लाख से ज्यादा गौ-माताओं की दु:खद मृत्यु हो चुकी है। साथ ही 10० लाख से ज्यादा संक्रमित है। सरकार द्वारा अब तक किये गये प्रयासों में न तो गम्भीर है और ना ही संवेदनशीलता रही है। इसी को लेकर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रभु पंडया के नेतृत्व में गुरूवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम ज्ञापन सौपा।

जिलाध्यक्ष प्रभु पंडया ने कहा कि पूरे प्रदेश में सर्वे करवा कर सरकार तुंरत प्रति पशु मुआवजा जारी कर पशुपालक को राहत प्रदान करे साथ ही सरकार पशुपालन विभाग में तुरंत चिकित्सा कर्मियों व अन्य पदों पर आपात भर्ती करे। इस बीमारी को तुरंत राज्य आपदा घोषित करें। गौशालाओं, व्यक्तिगत गौपालकों तथा बेसहारा गौधन को इस तेजी से फैल रही बीमारी से बचाने के लिए युद्ध स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाया जाऐ, जिन पशु पालकों ने विभिन्न बीमा कंपनियों से अपने गौधन का बीमा करवाया है, बीमा कंपनिया अब क्षतिपूर्ति करने में असमर्थता व्यक्त कर रही है ऐसे गौपालकों का एक अल्पकालिक संर्वेक्षण करवा कर उसकी क्षतिपूर्ति की व्यवस्था बीमा कंपनी से करवाये या सरकार स्वयं करें गौपालकों को नया पशुधन खरीदने के लिए ब्याज रहित ऋण दिया जाऐं गौशालाओं का अनुदान तुरंत जारी किया जाऐं। संपूर्ण प्रदेश में हजारों की संख्या में गौधन स्थान-स्थान पर मृत पडा है, जिसके कारण से जहां प्रदेश के बहुसंख्यक समाज की भावनाएं आहत हो रही है वही किसी महामारी के फैलने की आंशका भी प्रबल हो रही है।

लम्पी वायरस की रोकथाम को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते भाजपाई।

## गोली मारकर युवक की हत्या

**तारानगर,** (निसं)। तारानगर क्षेत्र के गाँव ढाणा कस्वां में गुरूवार शाम को एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार गाँव ढाणा कस्वां निवासी राजेंद्र सहारण पर एक युवक ने गोली चलाकर उसकी हत्या कर दी। गोली लगने के बाद राजेंद्र को तारानगर के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां चिकित्सको ने उन्हें मृत घोषित कर दिया सूचना मिलने पर तारानगर पुलिस ने सीएचसी पहुंचकर घटना की जानकारी ली तथा शव को मोर्चरी में रखवा दिया। देर रात तक इस संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं करवाया गया है।

# शिक्षक के आचरण के विरोध में विद्यार्थियों का प्रदर्शन

## प्रशिक्षु आरएएस व पुलिस मौके पर पहुंची

**छबड़ा,** (निसं)। क्षेत्र के सीनियर विद्यालय निपानियां के शिक्षक के अनैतिक आचरण के विरोध में गुरूवार को छात्र-छात्राओं ने जमकर हंगामा किया और शिक्षक को हटाए जाने की मांग को लेकर डेढ़-दो घंटे तक छबड़ा-कुंभराज मार्ग पर भी धरना-प्रदर्शन किया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस एवं प्रशिक्षु आरएएस ने विद्यार्थियों से समझाइश व आश्वासन देकर धरना-प्रदर्शन को समाप्त करवाया।

■ शिक्षक को हटाए जाने की मांग

निपानियां गांव के उच्च माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत एक शिक्षक के आचरण से छात्र व ग्रामीण आक्रोशित थे। गुरूवार को उक्त शिक्षक विद्यालय नही पहुंचा और छात्र-छात्राओं ने शिक्षक के अनैतिक आचरण के विरोध में धरना-प्रदर्शन किया और कुंभराज रोड को कुछ समय के लिए जाम कर दिया। सूचना पाकर प्रशिक्षु आरएएस मनमोहन शर्मा व पुलिस कर्मी यहां पहुंचे तो छात्र शिक्षक को हटाए जाने की मांग पर अड़ गए। इन्होंने छात्रों के साथ समझाइश कर आश्वासन दिया कि उक्त मामले की निष्पक्ष जांच करवाकर दोषी के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इस पर छात्रों ने धरना प्रदर्शन समाप्त किया।

वहीं, इस मामले में विद्यालय प्रधानाचार्य कैलाश श्रीवास्तव ने सीबीओ को पत्र लिखकर अध्यापक के संबंध में रिपोर्ट पेश की है। साथ ही प्रशिक्षु आरएएस मनमोहन शर्मा को भी रिपोर्ट पेश की है। इसके उपरांत शिक्षक के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। ग्राम पंचायत निपानियां के सरपंच विजयसिंह मीणा ने भी एसडीएम को दिए पत्र में षिक्षक को हटाए जाने की मांग की हैं।

# आयुर्वेद विवि में प्रो. पाण्डे का ऑनलाइन व्याख्यान

**जोधपुर,** (कासं) । सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर में कुलपति प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार के मार्गदर्शन में मनाये जा रहे आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रमों के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केन्द्र (सीएचआरडी) द्वारा 'कैन्सर पेन मैनेजमेन्ट: चैलेन्जस् एण्ड पर्सपेक्टिव इन आयुर्वेदा' विषय पर बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय के इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेज़ के अन्तर्गत फैकल्टी ऑफ आयुर्वेद के संज्ञाहरण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कुलदीप कुमार पाण्डे का ऑनलाईन व्याख्यान का आयोजन किया गया।

प्रो. पाण्डे ने अपने व्याख्यान में बताया कि वर्तमान में वैश्विक जनता कैन्सर रोग से भयग्रस्त है। इस रोग की सम्यक चिकित्सा उपलब्ध न होने से इस रोग के नाम मात्र से ही लोगों को भय लगता है ।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में सबसे ज़्यादा होने वाले कैन्सर में फेफड़ों और स्तन ग्रन्थियां का कैन्सर प्रमुख है। डॉ. पाण्डे ने कैन्सर पेन मैनेजमेण्ट आयुर्वेद में रसायन पद्धित के अन्तर्गत ब्राह्मी,जटामांसी, अश्वगन्धा आदि औषधियां सहित योग आदि अनेक उपक्रमां के बारे में विस्तार से बताया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार ने अपने उद्बोधन में प्रो. पाण्डे द्वारा कैन्सर पेन मैनेजमेण्ट के अन्तर्गत किये जा रहे शोधकार्य की प्रशंसा की और उन्हें आयुर्वेद के माध्यम से कैन्सर रोग एवं इसके पेन मैनेजमेण्ट हेतु निरन्तर प्रयास करते रहने हेतु प्रेरित किया।

मानव संसाधन विकास केन्द्र (सीएचआरडी) के मुख्य समन्वयक डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि सन् 2020 में स्थापित यह केन्द्र आयुर्वेद के शिक्षकां एवं छात्रां के निरन्तर ज्ञानवर्द्धन के लिए इस प्रकार के कई प्रकार ऑफलाईन एवं ऑनलाईन व्याख्यान का आयोजन कर रहा है और अभी तक लगभग 100 ऑफलाइन या ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन कर चुका है। यह व्याख्यान श्रृंखला निरन्तर जारी रहेगी।

सेमिनार में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्या एवं छात्रा सहित राजस्थान, यूपी, एमपी, पंजाब, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना, गुजरात एवं बिहार आदि राज्यां सहित देश भर से बड़ी संख्या में विद्वानों ने भाग लिया।

## जेल में मिट्टी में दबाकर रखा मोबाइल मिला

**श्रीगंगानगर,** (निसं)। शहर की सेंट्रल जेल में तलाशी के दौरान मोबाइल मिला। यह एक कीपैड मोबाइल है तथा इसमें बैटरी और सिम भी लगे हैं। जेल प्रशासन ने मंगलवार रात मोबइल मिलने के बाद इस संबंध में कोतवाली थाने में मामला दर्ज करवा दिया। इस संबंध में जेल के बंदियों से जेल स्टाफ ने पूछताछ की लेकिन अब तक किसी ने भी मोबाइल उसका होना स्वीकार नहीं किया है। जेल प्रशासन के इस संबंध में कोतवाली में मामला दर्ज करवाने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जेल स्टाफ ने जेल के बैरकों की तलाशी ली थी। इस दौरान बैरकों में तो कुछ भी नजर नहीं आया लेकिन जब स्टाफ के लोग टॉयलेट के पास पहुंचे तो वहां मिट्टी में एक थैली में कोई चीज नजर आई। इसे देखा तो यह एक कीपैड मोबाइल था। इस पर जेल प्रशासन ने इसे कब्जे में ले लिया। इस संबंध में जेल प्रहरी रोहित कुमार ने अज्ञात के खिलाफ जेल में मोबाइल लाने का मामला दर्ज करवाया है। जेल में कुछ दिन पहले ही एक मोबाइल, चार्जर आदि सामान मिला था। कुछ दिन पहले अज्ञात व्यक्ति ने जेल के पीछे की दीवार से जेल कैंपस में मोबाइल फैंक दिया था। इस मामले की भी जांच की जा रही है।

# सुविवि में जर्मनी, यूके एवं आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों ने शुरू किया शोध कार्य

## सुविवि प्राणी शास्त्र विभाग की प्रयोगशाला में शोध कार्य

**उदयपुर,** (कासं)। सुविवि के प्राणी शास्त्र विभाग की जनस्वास्थ्य किटविज्ञान प्रयोगशाला में जर्मनी से डॉ थॉमस, यूके से डॉ लेना, आइसीएमआर के पूर्व वैज्ञानिक डॉ घोष एवं आईआईटी कानपुर के शोधार्थी कार्तिक ने अपना शोध कार्य प्रारंभ किया।

विभागाध्यक्ष एवं प्रयोगशाला इंचार्ज प्रो आरती प्रसाद ने बताया कि गत जुलाई में विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन से जनस्वास्थ्य किटविज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं के मध्य प्राणी शास्त्र विभाग ने एक अभूतपूर्व पहचान कायम की है जिससे विभाग के कार्यो की कीर्ती अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य कर रहे वैज्ञानिकों तक पहुँची एवं उन्होंने विभाग के कार्यो को सराहा। इसी से प्रभावित होकर अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों का यह दल विभाग में शोध कार्य करने हेतु आया हुआ है। प्रो प्रसाद ने बताया कि यह दल 5 सितम्बर को उदयपुर पहुंचा एवं उन्होंने उस दिन राजकीय अवकाश होने के कारण प्रो प्रसाद से व्यक्तिगत मुलाकात कर विभाग में चल रहे कार्यो पर चर्चा की। दूसरे दिन 6 सितम्बर को दल ने विभाग का दौरा कर विभाग में चल रहे कार्यो के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्राप्त की। इसके पश्चात उन्होंने विभाग के शिक्षकों से संवाद कर विभाग के साथ साझे में किए जा सकने वाले कार्यो पर मंथन किया। ततपश्चात दल ने विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता प्रो सी पी जैन से मुलाकात की।

जर्मनी, यूके एवं आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिक।

दौरे के तीसरे दिन 7 सितम्बर को दल ने विभाग के शोधार्थियों के साथ उदयपुर शहर के आस पास के गांवों में मलेरिया रोगवाहक एनोफिलीज मच्छर का सर्वेक्षण किया। सर्वेक्षण के दौरान उन्होंने उदयपुर में पायी जाने वाली मच्छरों की प्रजातियों, उनकी रोकथाम के प्राकृतिक तरीको तथा स्थानीय प्रशासन द्वारा रोगवाहक मच्छरों की रोकथाम हेतु किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी एकत्रित की। प्रो प्रसाद ने बताया कि ये वैज्ञानिक मुख्यतया मलेरिया रोग के मुख्य वाहक मच्छर एनोफिलीज स्टीफेंसाइ के हाइड्रोकार्बन पर शोध कार्य करने हेतु प्राणी शास्त्र विभाग में आए है। यह दल 10 सितम्बर तक उदयपुर में अपना शोध कार्य करेगा।